# 9. सर्वनाम

एक ही संज्ञा शब्द की पुनरावृत्ति को दूर करने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से भाषा सहज और स्पष्ट हो जाती है।

## शिक्षण-संकेत

❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से सर्वनाम के बारे में जानें।

❖ पृष्ठ 55 पर दिए चित्र के वाक्यों को पढ़ें तथा दोनों वाक्यों के अंतर को स्पष्ट करें।

❖ सर्वनाम की उपयोगिता समझाएँ।

❖ सर्वनाम की परिभाषा बताने को कहें।

❖ सर्वनाम के भेद छात्रों से पूछें, तदुपरांत स्वयं उन्हें बताएँ।

❖ पृष्ठ 56-57 पर दिए सर्वनाम भेदों को एक-एक करके समझाएँ।

❖ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीनों भेदों का परिचय दें।

❖ पूछें, उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम किनके लिए प्रयोग होते हैं।

❖ बीच-बीच में सर्वनाम के भेदों के उदाहरणों में से सर्वनाम शब्द बताने को कहें।

❖ ध्यान दिलाएँ कि 'आप' सर्वनाम का प्रयोग मध्यमपुरुष और अन्यपुरुष दोनों में होता है। यह आदर सूचक सर्वनाम है।

❖ ब्लैकबोर्ड पर वाक्य लिखकर छात्रों से उनमें से सर्वनाम रेखांकित करवाएँ तथा उसका भेद भी जानें।

❖ प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का अवसर दें।

❖ समझाएँ, सर्वनाम का प्रयोग पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों के लिए समान रूप से होता है। तब उनके लिंग की पहचान क्रिया से होती है।

❖ बताएँ, वचन एवं कारक के प्रभाव से सर्वनाम का रूप बदल जाता है। पृष्ठ 58 पर दिए उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें।

❖ अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर छात्रों से जानें।